

सामान्यतया उनके विवाहित और सधवा होने का प्रतीक होता है।

मंगल स्नान पुं. (तत्.) किसी मांगलिक अवसर पर या मांगलिक पूजा के लिए जाने वाला स्नान।

मंगला स्त्री. (तत्.) 1. पार्वती 2. पतिव्रता स्त्री 3. तुलसी 4. सफेद या नीली दूब 5. मंगली, जिसकी जन्म कुंडली में मंगल या शनि दूसरे चौथे, आठवें या बारहवें स्थान में हो- इसे अशुभ माना जाता है; ऐसी जन्मकुंडली जिसमें उपलिखित दोष हो; मंगल को पैदा होने वाला 6. हल्दी।

मंगलागौरी स्त्री. (तत्.) पार्वती।

मंगलागौरी व्रत पुं. (तत्.) पार्वती की उपासना के निमित्त एक व्रत।

मंगलाचरण पुं. (तत्.) दे. मंगलपाठ।

मंगलाचार पुं. (तत्.) 1. मांगलिक कार्यों के आरंभ में होने वाला शुभ गान इत्यादि 2. शुभ पवित्र प्रथा 3. आशीर्वादोच्चारण, नांदी 4. शुभानुष्ठान।

मंगलारंभ पुं. (तत्.) 1. शुभ कार्य का आरंभ 2. गणेश का विशेषण, 'श्री गणेश' / श्री गणेशायनमः आदि।

मंगलामुखी स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जो साज-शृंगार कर पुरुषों को आकृष्ट तथा नियंत्रित करती हो, वेश्या, रंडी।

मंगलायतन पुं. (तत्.) सुख-समृद्धिसे युक्त।

मंगलाष्टक पुं. (तत्.) 1. आठ मांगलिक वस्तुएँ यथा केसर, नमक, गुड़, नारियल, पान, दूर्वा, सिंदूर तथा सुर्मा 2. वे मंत्र जिनका पाठ विवाह के समय वर-वधू के कल्याण के लिए आशीर्वादात्मक रूप से किया जाता है।

मंगली वि. (तत्.) दे. मंगला।

मंगरैला पुं. (देश.) एक प्रकार का मसाला, कलौंजी, काला जीरा, इसका पौधा।

मंगुष्ठ पुं. (तत्.) एक फल का नाम, इस फल का वृक्ष।

मंगोल पुं. (देश.) मध्य एशिया स्थित मंगोलिया प्रदेश में बसने वाली जाति अथवा उसके निवासी/लोग, इन लोगों की भाषा।

मंगोलॉयड वि. (देश.) 1. मंगोलिया प्रदेश के मूल निवासियों या प्रजातियों की शारीरिक विशेषताओं से युक्त नस्ल जैसे शरीर का हल्का पीला रंग, चपटी नाक और चौड़ा चेहरा आदि 2. वहां की भाषा आदि।

मंच पुं. (तत्.) 1. खाट, शय्या, बिस्तरा, खटिया, चारपाई (तख्त), छोटी पीढ़ी मँचिया, मचान, सिंहासन, रंगभूमि 2. एक ऊँचा मंडप अथवा ऊँचा बना हुआ चबूतरा अथवा स्थान जिस पर बैठकर सर्वसाधारण के सामने कोई कार्य-भाषण, व्याख्यान, इत्यादि किया जाए 3. प्रतिष्ठा का स्थान 4. विचार व्यक्त करने का उचित स्थान या माध्यम।

मंचन पुं. (तत्.) रंगमंच पर नाटक आदि का खेला जाना या प्रदर्शन।

मंचनाटक वि. (तत्.) मंच पर खेला जाने वाला या खेले जाने योग्य नाटक।

मंचभीति स्त्री. (तत्.) प्रदर्शन/मंच या सम्मेलन आदि में मंच पर जाने से पहले या उसके दौरान पात्र या भावी वक्ता में हिचकिचाहट या संकोच अथवा डर का पैदा होना या मन में घबराहट अथवा उत्तेजना या व्यग्रता होना।

मंचसज्जा स्त्री. (तत्.) 1. नाटक की प्रस्तुति के लिए मंच पर उपयुक्त परिवेश बनाना 2. विवाह अथवा किसी समारोह या किसी शुभकार्य या अभिनंदन या सभा-सम्मेलन में मंच को उपयुक्त रूप देना।

मंजन पुं. (तत्.) 1. दाँत साफ करने का चूर्ण या बुकनी 2. दाँत साफ करने की क्रिया या भाव 3. माँजने की क्रिया; स्नान; माँजना, रगड़ना।

मंजरित वि. (तत्.) 1. जिसमें मंजरी लगी हों, मंजरियों से युक्त या लदा हुआ, कलियों या फूलों से संपन्न 2. नए वैभव या शोभा/ऐश्वर्य से युक्त।

मंजरी स्त्री. (तत्.) 1. नया निकला हुआ कल्ला, कोंपल 2. कुछ विशिष्ट पौधों के सीकों में लगे हुए बहुत से दानों का समूह, फूलों का गुच्छा, कली 3. लता 4. तुलसी, तिलक का पौधा 5. काव्य में छंद विशेष 6. मोती।